प्रकाशन तिथि : 15 जुलाई, 2024
प्रेषण तिथि : 19 जुलाई, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 09 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

हम जितने गंभीर होंगे, संघ की गति उतनी बढ़ेगी: संघप्रमुख श्री

(मेवाड़ मालवा, मेवाड़ वागड़, जयपुर, पूर्वी राजस्थान व दिल्ली संभागों की कार्ययोजना बैठकें संपन्न)

जिस बात को हम गंभीरता से लेते हैं वह हमें सदैव याद रहती है। जिस कार्य को लेकर हम गंभीर होते हैं उसको पूरा करने के लिए हम निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं। संघ की गति धीमी है, ऐसा बार-बार हम सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस कार्य को गंभीरता से नहीं लिया है। इस मार्ग पर चलते हुए हमारे अपने जीवन में भी यदि अपेक्षित प्रगति नहीं दिखती है तो उसका कारण भी हमारे में गंभीरता की कमी ही है। संघ कोई मकान या विद्यालय भवन की भांति भौतिक संरचना नहीं है बल्कि यह व्यक्तियों से बना है और जब व्यक्तियों की गति बढ़ेगी तब संघ की गति भी बढ़ेगी। संघ का हमारे जीवन में आना एक गंभीर घटना है। उसके पीछे कोई गहरा कारण और हेतु है, उसको हम समझें। इसे समझने के लिए संघ में निरंतर आते रहना पड़ेगा और संघ के निर्देशानुसार आचरण भी करना पड़ेगा। श्री क्षत्रिय युवक संघ में संपर्क बहुत महत्वपूर्ण है। संपर्क हमारी गंभीरता का प्रमाण है। संघ से हम संपर्क रखें, यह हमारी जिम्मेदारी है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने मेवाड़ वागड़ व मेवाड़ मालवा संभाग की संयुक्त कार्ययोजना बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूज्य तनसिंह जी संघ के माध्यम से संघ या अपना नाम नहीं करना चाहते थे, वे तो व्यक्ति को निर्मित करके उच्चतम स्थिति में पहुंचाना चाहते थे। वे संघ के उद्देश्य को हमारा उद्देश्य बनाना चाहते थे। प्रत्येक मानव का लक्ष्य है ईश्वर को प्राप्त करना और यही संघ का भी उद्देश्य है। संघ के रूप में इस उद्देश्य तक पहुंचाने का सरलतम मार्ग पूज्य तनसिंह जी ने दिया। उन्होंने हमको जंगल में जाकर तपस्या का मार्ग नहीं बताया बल्कि समाज में रहकर कार्य करने का मार्ग बताया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

समाज रूपी परिवार के प्रति अपने दायित्व का बोध करें: सरवड़ी

('संघशक्ति' में श्री प्रताप फाउंडेशन का 'दायित्व बोध संवाद' कार्यक्रम संपन्न)

हमारा पूरा समाज एक परिवार है और एक परिवार सुखी कब रह सकता है? जब उस परिवार के सभी लोग दूसरों को सुखी रखने का प्रयास करें। यदि परिवार का हर व्यक्ति केवल अपने आप को ही सुखी रखने का प्रयास करेगा तो वह परिवार सुखी नहीं हो सकेगा। परिवार पर जब भी कोई संकट या तकलीफ आएगी तो सब मिलकर उसका सामना नहीं कर पाएंगे। आप सब राजनेता हैं और समाज रूपी इस परिवार के सदस्य हैं। इसलिए आपको भी केवल अपने स्वयं के हित की बात तक सीमित न रहकर पूरे समाज के हित में कार्य करना चाहिए। राजनीति में बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा है। होनी भी चाहिए, लेकिन एक परिवार की तरह मानकर इस समाज को सुखी बनाने के लिए यदि हम प्रतिस्पर्धा करें तो हम एक दूसरे के सहयोगी बन सकेंगे। लेकिन होता यह है कि राजनीति में जो आगे बढ़ गए हैं, वे अपने क्षेत्र में दूसरे को पनपने ही नहीं देते। यदि प्रतिस्पर्धा करनी है तो अपने शत्रु से करो, जो आपके समाज के खिलाफ गलत भावना रखता है, उससे करो। समाज के लोगों से आप सहयोग करेंगे तो समाज के लोग भी आपके सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। आप इस समाज की संपत्ति हैं, आप इस समाज के अग्रणी हैं और आपका नुकसान समाज का नुकसान है। इसलिए अपने आप को इस तरह से ढालने का प्रयास करें कि हमको मिलकर इस समाज को आगे ले जाना है। केवल स्वयं को आगे नहीं जाना है बल्कि पूरे समाज को आगे ले जाना है। उपर्युक्त बात श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में 4 जुलाई को जयपुर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में आयोजित दायित्व बोध संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने कही।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

दो राजपूत कीर्ति चक्र से और चार शौर्य चक्र से सम्मानित

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह में सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को उनके अदम्य साहस और असाधारण वीरता के लिए वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया। इन पुरस्कारों में दो कीर्ति चक्र एवं चार शौर्य चक्र से राजपूत सैनिक सम्मानित हुए। पंजाब रेजिमेंट की 26वीं बटालियन के आर्मी मेडिकल कोर में कैप्टन अंशुमन सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। उनकी तैनाती सियाचिन लेशियर में 403 फील्ड में अस?पताल में रेजिमेंटल मेडिकल आफिसर पद पर हुई थी। 19 जुलाई 2023 को भारतीय सेना के गोला बारूद बंकर में शॉट सर्किट की वजह से आग लग गई थी जिससे उनके कई साथी बंकर में फंस गए। अपने साथियों के बचाने के लिए अंशुमान भी बंकर में कूद पड़े। अपनी जान की परवाह किए बिना अंशुमन ने तीन जवानों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस हादसे में अंशुमन बुरी तरह से झुलस गए। उनको एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए चंडीगढ़ लाया गया, जहां उन्हें बचाया नहीं जा सका और वह शहीद हो गए। वे उत्तरप्रदेश के देवरिया जिले के बरडीहा दलपत गांव के निवासी थे। पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) की 21वीं बटालियन के मेजर दिग्विजय सिंह रावत को भी कीर्ति चक्र से सम्मानित किया। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के श्रीनगर शहर स्थित डांग गांव के रहने वाले मेजर दिग्विजय सिंह रावत ने मणिपुर में उग्रवादियों का सफाया किया था। (शेष पृष्ठ 2 पर)

समाज रूपी परिवार के प्रति अपने दायित्व का बोध करें: सरवड़ी

(पेज एक से लगातार)

उन्होंने कहा कि राजनीति में हम शिकायत करते हैं कि हमको पर्याप्त टिकट नहीं मिलती है। यदि आपके पास शक्ति नहीं है, यदि आपका परिवार एक नहीं है तो कौन आपको टिकट देगा? समाज रूपी इस परिवार को एक बनाएं, हमारी उस एकता की शक्ति को प्रदर्शित करें, तब सभी पार्टियां हमें टिकट देंगी। पिछली बार जब नए जीते हुए विधायकों की बैठक बुलाई थी तब यह तय किया था कि आप सब लोग एक साथ मुख्यमंत्री से मिलकर यह तय करवाएंगे कि ईडब्ल्यूएस में केंद्रीय सेवाओं में जो सरलीकरण नहीं हुआ है, वह होना चाहिए और इसके लिए आप सामूहिक रूप से जाएंगे, लेकिन आप नहीं गए। वह दायित्व बोध करवाने के लिए आपको बार-बार याद करवा रहे हैं कि समाज के प्रति आपका भी दायित्व बनता है। विधानसभा में 200 की संख्या में आप 20 राजपूत विधायक हैं। यह बहुत बड़ी संख्या होती है। 20 आदमी सरकार बदल भी सकते हैं और सरकार बना भी सकते हैं। आप एक ताकत है, लेकिन उस ताकत को समाज के लिए काम में लेवें तब। अभी भी अगर आप बीस के बीस एक हो जाओ तो जरूर काम होगा। लेकिन आपकी खुद की शक्ति कमजोर है, आप सब लोग आपस में एक नहीं हो। क्योंकि हम कमजोर दिख रहे हैं इसलिए लोग हमारी अनदेखी करते हैं, उपेक्षा करते हैं। उस कमजोरी को मिटाने का दायित्व आपका है, इस दायित्व को समझें और उसे निभाने का प्रयास करें। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव में हमने खुलकर भाजपा का सपोर्ट किया क्योंकि जब से चुनाव शुरू हुए हैं तब से ही समाज की मानसिकता बनी हुई है कि कांग्रेस हमारी दुश्मन है इसलिए कांग्रेस के विरुद्ध में जो भी खड़ा हो उसके हम साथ हो जाते हैं। लेकिन क्या हमारे को पार्टी द्वारा महत्व दिया गया? हमारे केवल तीन मंत्री बनाए गए

जबकि हमसे कम संख्या में जीते हुए समाज के चार मंत्री बनाए गए। आपकी एकता की कमी से ऐसा होता है। यदि आप एक होंगे तो आपकी ताकत बढ़ेगी और आपकी ताकत बढ़ेगी तो समाज की भी ताकत बढ़ेगी, समाज का आप पर विश्वास बढ़ेगा। समाज का विश्वास बढ़ेगा तो समाज आपके साथ खड़ा रहेगा। समाज के बिना आप भी जीत नहीं सकते और इसलिए समाज उम्मीद करता है कि आप अपनी ताकत से हमारे काम भी करवाओ।

समाज की आपसे अपेक्षा है। इसलिए ईडब्ल्यूएस वाला जो काम है वह करवाना है, इसके अलावा यह सरकार हमारे समाज के लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां नहीं दे रही है, हमारे काम नहीं हो रहे हैं, हमारे इतिहास का विकृतिकरण किया जा रहा है, क्यों इन सब पर हमारी आवाज नहीं उठती है? यह सब हो रहा है, उसको देखकर भी आप लोग चुप क्यों हैं? यह आपका दायित्व है, इस दायित्व को निभाकर आप मजबूत बनेंगे तो समाज भी आपके साथ मजबूती से खड़ा होगा। केवल यह आश्वासन मत दीजिए बल्कि पहल कीजिए। तब दूसरे भी आपका साथ देने के लिए तैयार हो जाएंगे। आज कुछ जातियां राजपूत को पीछे रखने के लिए पूरा प्रयत्न कर रही हैं। हमारे पूर्वजों का जो चरित्र है उसके कारण से गांव में रहने वाली जो जातियां हैं, मूल ओबीसी है, शेड्यूल कास्ट है, वे सब हमारे साथ रहे हैं। वे भी धीरे-धीरे अपने से दूर जा रहे हैं क्योंकि उनको बहकाने वाले तत्व बहुत हैं। लेकिन हम अपनी तरफ से कोई पहल क्यों नहीं कर रहे हैं जिससे वह हमारे नजदीक आ सके। हमें सभी को अपने साथ लेने और अपने नजदीक लाने का प्रयास करना चाहिए। समय लगेगा, एकदम से सब कुछ नहीं बदलेगा, लेकिन हमारी ओर से प्रयत्न तो होना चाहिए, ऐसा करने का भाव तो हमारा होना चाहिए।

सभी जातियों और समुदायों के प्रति हमें सद्भावना रखनी चाहिए, उनसे संवाद करना चाहिए, तभी दूरियां कम होगी। कार्यक्रम में पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में खड़े हुए राजपूत विधायक एवं सांसद प्रत्याशियों सहित प्रदेशभर में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े हुए एवं राजनीतिक रूप से सक्रिय समाजबंधु शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय सेवाओं में ईडब्ल्यूएस सरलीकरण, राजनीतिक नियुक्तियों में समाज को उचित प्रतिनिधित्व, समाज के प्रति जनप्रतिनिधियों के दायित्व आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में राजनीतिक जागरूकता का विकास सतत रूप से होते रहना चाहिए। इसके लिए ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से नियमित रूप से विचार-विमर्श और संवाद होना अनिवार्य है। जो भी कमियां एवं शिकायते हैं वे आपसी संवाद से ही दूर हो सकेंगी। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमें वर्तमान लोकतांत्रिक राजनीति में सामाजिक हितों को पूरा करने के लिए आपसी एकता को बनाए रखना होगा। अपने पूर्वजों की तरह सभी जाति-वर्गों को साथ लेकर हम चलेंगे तो हम अवश्य सफल होंगे। जयपुर ग्रामीण से सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा जहां भी समाज की बात हो वहां आपसी मतभेदों को भुलाकर हम सभी को साथ खड़ा होना चाहिए। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, हमीर सिंह भायल, बाबू सिंह राठौड़, छोटू सिंह भाटी, देवी सिंह बानसूर, स्वामी प्रताप पूरी, मनोज न्यांगली और रविंद्र सिंह भाटी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सभी ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और समाज की अपेक्षाओं को पूरी करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम में राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक कल्पना राजे, वीरेंद्र सिंह मसूदा, विक्रम सिंह जाखल, बूंदी जिला प्रमुख चंद्रावती कुमारी, चित्तौड़गढ़ जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह बिडोली, पूर्व विधायक सांग सिंह भाटी, शैतान सिंह राठौड़, सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, गिरिराज सिंह मलिंगा, नारायण सिंह देवल सहित प्रदेश भर से सैकड़ों की संख्या में राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हुए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख माननीय लक्ष्मण सिंह जी बैण्याकाबास सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं उन्होंने कार्यक्रम आए राजनेताओं को स्मृति चिह्न भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन रेवंत सिंह पाटोदा ने किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

दो राजपूतों..

रावत ने मणिपुर में एक खुफिया नेटवर्क स्थापित किया जिसने उन्हें घाटी आधारित उग्रवादियों का सटीक पता लगाने में सक्षम बनाया और उन्होंने अद्भुत वीरता दिखाते हुए एक अभियान में तीन उग्रवादियों को काबू कर पकड़ लिया। हरियाणा के सिरसा जिले के डिंग मंडी गांव के निवासी नायक भीम सिंह को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। मार्च 2011 में सेना में शामिल हुए सिंह राजपूताना राइफल्स की 9वीं बटालियन में कार्यरत हैं। उन्हें यह सम्मान 26 दिसंबर, 2022 को अनुकरणीय साहस दिखाने के लिए दिया गया था, जब उन्होंने खुफिया रिपोर्टों के आधार पर आतंकवादियों के एक समूह को रोकने के लिए दक्षिण कश्मीर में एक लड़ाकू दल का नेतृत्व किया था। ऑपरेशन के दौरान, जब नागरिकों को निकाला जा रहा था, तो आतंकवादियों ने गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके, जिसमें एक अधिकारी घायल हो गया। सिंह ने सटीक निशाना साधकर एक आतंकवादी को मार गिराया और घायल अधिकारी को सुरक्षित बाहर निकाला। उत्तराखंड के मेजर रविंद्र सिंह रावत को भी शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। मेजर रावत ने भारतीय सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स (राजपूत) में तैनात रहते हुए बहादुरी तथा प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन कर 11 सफल ऑपरेशन में भाग लिया और 28 आतंकवादियों के खात्मे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चमोली जिले के गौचर (अंगोत) निवासी मेजर रावत ने 30 अगस्त 2022 को जम्मू कश्मीर के शोपिया जिले के एक गांव में तीन हथियारबंद आतंकवादियों को मार गिराया था। इस दौरान मेजर रावत गंभीर रूप से घायल भी हो गए थे, लेकिन अद्वितीय साहस और अनुकरणीय नेतृत्व के दम पर उन्होंने आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। ग्रेनेडियर्स 55वीं बटालियन के मेजर सचिन नेगी को भी शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने नवंबर 2020 से राष्ट्रीय राइफल्स के कार्यकाल के दौरान कई सफल अभियानों में भाग लिया जिसमें उनकी बटालियन ने 14 आतंकियों को मौत के घाट उतारा। वहीं नवंबर 2022 को पुलवामा जिले में एक वाहन चेक पोस्ट पर आतंकियों ने गोलाबारी करते हुए ग्रेनेड से हमला किया जहां पर नेगी ने संयम एवं सामरिक कौशल का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों को बेहद नजदीक से मार गिराया और एक अन्य को घायल किया जिसके चलते उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। मध्?य प्रदेश के जवान हवलदार विवेक सिंह तोमर को मरणोपरांत शौर्य चक्र से अलंकृत किया गया। मुरैना जिले के रूअर गांव के निवासी हवलदार विवेक सिंह तोमर सियाचीन ग्लेशियर में ड्यूटी के दौरान राष्ट्रीय संपदा की कठिन परिस्थितियों में रक्षा करते हुए 11 जनवरी 2023 को बलिदान हो गए थे। उल्लेखनीय है कि कीर्ति चक्र भारत का दूसरा शीर्ष सैन्य वीरता पुरस्कार है। वहीं, शौर्य चक्र, अशोक चक्र और कीर्ति चक्र के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है।

विशेष शाखाओं व सामूहिक यज्ञ का आयोजन कर दिया संघ का संदेश

माननीय संघप्रमुख श्री के निदेर्शानुसार 2024-25 को शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के अनुरूप समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में समझाने तथा नई शाखा प्रारंभ करने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न स्थानों पर विशेष शाखाओं एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। पोकरण प्रांत के राजमथाई मंडल के हरियासर गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन 30 जून को किया गया जिसमें क्षेत्र के अनेकों समाजबंधु मातृशक्ति सहित सम्मिलित हुए। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुगेरिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज सभी ओर समाज जागरण की लहर चल रही है, इससे प्रेरणा लेकर हमें भी समाज कार्य में सहयोगी बनना होगा अन्यथा समय हाथ से निकल जाएगा। क्षत्रिय जाति में हमें जन्म मिला है तो क्षत्रिय के गुणों को भी हमें धारण करना होगा। हमारे पूर्वजों में शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्ष से पलायन न करना, दानशीलता और ईश्वरीय भाव के गुण थे

इसीलिए वे क्षत्रिय धर्म का पालन कर सके। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इन गुणों को अपने आचरण में ढालने का अभ्यास करवा रहा है ताकि हम भी अपने पूर्वजों की भांति स्वधर्म का पालन कर सकें। कार्यक्रम में सितंबर माह में हरियासर में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर पर भी चर्चा हुई। इसी दिन राजमथाई गांव में स्थित रावल मल्लीनाथ मंदिर परिसर में भी विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी दी और कहा कि हमको अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर उस प्रेरणा को कर्म में रूपांतरित करना है और उस कर्मशक्ति से अपने वर्तमान का निर्माण करना है। हमारे बच्चों को राजपूती संस्कार देना आवश्यक है अन्यथा पाश्चात्य संस्कृति का बहाव उन्हें बहा ले जाएगा। इसलिए अपने बच्चों को संघ की शाखा व शिविरों में भेजें। चितौड़गढ़ के चंदेरिया में भी विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। भीलवाड़ा के मालोला गांव में भी विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन 30 जून को किया गया जिसमें स्थानीय समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। जालौर संभाग के पाली प्रांत में बेड़ा गांव में स्थित आशापुरा माताजी मंदिर में 7 जुलाई को सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया। जालौर संभागप्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने संघ और पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया और कहा कि संघ हमें हमारे धर्म, कर्म और कर्त्तव्य की पहचान करा रहा है। वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोड़ता ने कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए कहा कि यह वर्ष संघ द्वारा शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसीलिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिससे यहां नियमित शाखा प्रारंभ हो। कार्यक्रम में मंगल सिंह बेड़ा, चौहान महासभा के अध्यक्ष प्रताप सिंह कोठारी, उदय सिंह बेड़ा, रुप सिंह नाना, देवीसिंह चौहान, दलपत सिंह बेड़ा सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। 7 जुलाई को उदयपुर जिले के गोगुन्दा कस्बे में स्थित श्री अंबा माताजी मंदिर परिसर में भी विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गोगुन्दा, पुठिया, झालों का गुडा, मजाम, श्रीमालियों की मादडी, दादिया, मोतीकुआ, मन्नाजी का गुडा आदि गांवों से समाजबंधु सम्मिलित हुए।

बनेड़ा और सरदारशहर में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशालाओं का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के भीलवाड़ा व शाहपुरा जिला इकाई की दो दिवसीय कार्यशाला 6-7 जुलाई को लक्ष्मी भवन बनेड़ा में संपन्न हुई जिसमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बताया कि किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए निदानात्मक एवं उपचारात्मक दो तरह के उपाय किए जाते हैं। निदानात्मक उपायों में समस्या के कारणों को खोज कर उनका निवारण किया जाता है जिससे समस्या का स्थायी हल निकल सके वहीं उपचारात्मक उपायों में समस्या के निराकरण की अपेक्षा उसके कारण उत्पन्न नकारात्मक प्रभावों को कम किया जाता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज की समस्याओं का निदानात्मक उपाय है। पूज्य तनसिंह जी ने अपने चिंतन से समाज की समस्याओं के कारणों को खोजा एवं उनके स्थायी उपाय का मार्ग प्रशस्त किया। जैसे हम प्रायः चर्चा करते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी में पहल करने की क्षमताएं क्षीण हो रही हैं। पूज्य तनसिंह जी ने इस समस्या के कारण को जाना कि हमारा शौर्य का गुण क्षीण हो गया है इसलिए ऐसी स्थिति बनी है। तब उन्होंने इस प्रकार कि प्रणाली विकसित की जिसमें अभ्यास के द्वारा हमारे शौर्य को जागृत किया जा सके। इस प्रकार संघ की पूरी प्रणाली निदानात्मक है, कारणों को खोज कर उनको समूल नाश की प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया प्रकारांतर से व्यक्ति के नैसर्गिक स्वभाव में आयी विकृतियों को दूर करने की स्थायी प्रक्रिया है, श्री क्षत्रिय युवक संघ प्राथमिकता से अपनी संपूर्ण ऊर्जा इस प्रक्रिया में लगा कर लगातार कर्मशील है। साथ ही श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज की समस्याओं के तात्कालिक उपचार पर भी क्षमतानुसार प्रयास करता है ताकि समस्या के प्रभावों को कम किया जा सके। श्री प्रताप फाउंडेशन, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन ऐसे ही उपचारात्मक उपाय हैं जो संघ की निदानात्मक प्रक्रिया में सहयोगी बनते हैं। वर्तमान में समाज की विभिन्न समस्याओं के तात्कालिक उपाय की योजना है ये दोनों। राजनीति व्यवस्था के संचालन की धूरी बनी हुई है इसलिए वर्तमान राजनीति में हमारा समाज कैसे अपनी भागीदारी निभाये, उसकी योजना श्री प्रताप फाउंडेशन है वहीं व्यवस्था के सभी क्षेत्रों में समग्र रूप से हमारा समाज

कैसे अपनी उपयुक्त भागीदारी निभाये, इसकी योजना श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन है। इन दोनों के विस्तार के लिए हमें निरंतर कर्मरत रहना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहयोगियो ने भी अपनी बात रखी एवं भीलवाड़ा व शाहपुरा जिले में फाउंडेशन द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा करी और आगे के लिए कार्ययोजना तैयार की। कार्यक्रम में फाउंडेशन के भीलवाड़ा जिला प्रभारी विक्रम सिंह झालरा, चित्तौड़गढ़ जिला प्रभारी जोगेंद्र सिंह छोटाखेड़ा, गोपाल शरण सिंह बनेड़ा, शंकर सिंह रेह, नरेंद्र सिंह लांबा, कुलदीप सिंह बलदरखा, नरेंद्र सिंह मेवदा, गजेंद्र सिंह अमरगढ़, कर्मवीर सिंह कीड़ी माल, गोपाल सिंह गंगलास, दीपेंद्र सिंह खारिया, जितेंद्र सिंह आसींद, महिपाल सिंह नीमझर, रामभंवर सिंह सुलतानगढ़ सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। इसी प्रकार चुरू जिला इकाई की दो दिवसीय कार्यशाला 29-30 जून को श्री करणी राजपूत छात्रावास सरदारशहर में आयोजित हुई। रेवंत सिंह पाटोदा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ, श्री प्रताप फाउंडेशन एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित सहयोगियों ने चूरू जिले में फाउंडेशन के काम को गति देने के संबंध में चर्चा की और आगामी कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के चुरु प्रांत प्रमुख किशनसिंह गौरीसर, फाउंडेशन के चूरू जिला प्रभारी जितेन्द्र सिंह कोटड़ी, एडवोकेट दिलीप सिंह, बाबू सिंह शिमला, राजवीर सिंह कवलासर, महेंद्र सिंह नुआं, भानुप्रताप सिंह खूइया, हरी सिंह मिठडी, संतोष सिंह लाखलान, संदीप सिंह लादासर, नरेंद्र सिंह तोगावास सहित अन्य सहयोगी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

सोजत सिटी में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पाली प्रांत के सोजत मंडल में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर सोजत सिटी स्थित राजपूत छात्रावास निम्बली नाड़ी में 27 से 30 जून तक आयोजित हुआ। जालौर संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने शिविर का संचालन किया। शिविर के प्रथम दिन उन्होंने शिविरार्थियों

का स्वागत करते हुए कहा कि आज के इस आपाधापी के युग में हम अपने कर्तव्य और धर्म को भूल रहे हैं और इस कारण चारों ओर अराजकता का वातावरण बन गया है। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अनुशासित और समाज के प्रति समर्पित व्यक्तियों का निर्माण करना होगा। संघ इसी काम में लगा हुआ है। शिविर के अंतिम दिन विदाई के अवसर पर शिविर संचालक ने कहा कि हमने यहां श्रेष्ठ आचरण करने का अभ्यास किया है। यहां से जाने के बाद ऐसे ही श्रेष्ठ आचरण का अभ्यास हमें गांव-गांव जाकर करवाना है। यहां सामूहिक रूप से उस अभ्यास को करना सरल था लेकिन यहां से जाने के बाद ऐसी अनुकूल परिस्थितियां हमें नहीं मिलेगी इसलिए वहां हमारी कड़ी परीक्षा होगी। उस परीक्षा में हमें खरा उतरना है। शिविर में सोजत एवं मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र के भैसाणा, सिसरवादा, गुड़ा राम सिंह, केरखेड़ा, मानी, खारियां सोढा, खारियां नींव, बुटेलाव, झुपेलाव, सारंगवास, हरियामाली, दादिया, बगड़ी नगर, गुड़ा श्यामा आदि गांवों के 105 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के समापन के अवसर पर स्नेहमिलन एवं स्नेहभोज का आयोजन भी किया गया जिसमें क्षेत्र के अनेकों समाज बंधु सम्मिलित हुए। प्रांत प्रमुख महोब्बत सिंह धींगाणा एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोड़ता सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कमल सिंह खारियां सोढा, युवराज सिंह शिवपुरा, हुकम सिंह बुटेलाव, प्रताप सिंह सिसरवादा आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया।

उजीना (मेवात) में संपर्क बैठक का आयोजन

दिल्ली संभाग में मेवात क्षेत्र के राजपूत बाहुल्य गांव उजीना में 7 जुलाई को संपर्क बैठक आयोजित की गई जिसमें गांव के समाजबंधुओ को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई, साथ ही आगामी दिनों में गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ के चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के आयोजन के संबंध में चर्चा की गई। उजीना के सरपंच मुनेश सिंह छौंकर एवं मेजर रण सिंह जी ने स्थानीय बंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। दिल्ली के संभाग प्रमुख रेवत सिंह धीरा, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रांत प्रमुख भूपेंद्र सिंह खारी, पवन सिंह बुटाटी व भूपेंद्र पाल सिंह गरणिया बैठक में उपस्थित रहे।

संपादकीय

सर्वांगीण एकता का स्रोत : बाह्य एकरूपता और भीतरी एकत्व का संयोग

पिछले दिनों भारत की क्रिकेट टीम ने 20 ओवर क्रिकेट का विश्व कप जीता। चूंकि क्रिकेट भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है इसलिए इस जीत पर पूरे देश में उल्लास का एक वातावरण देखा गया। इस वातावरण को बनाने और प्रचारित करने में क्रिकेट के प्रशंसकों के साथ ही समाचार माध्यमों, क्रिकेट की लोकप्रियता के साथ जुड़े व्यावसायिक हितधारकों से लेकर देश के शीर्ष पर बैठे राजनीतिज्ञों तक का भी योगदान रहा। विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों की राष्ट्रीय नायकों के रूप में छवि प्रस्तुत की गई, लाखों की भीड़ में विजय यात्रा निकालकर उनका स्वागत किया गया, उन पर बड़ी धनराशि के रूप में पुरस्कारों की वर्षा की गई। निश्चित रूप से किसी भी अन्य क्षेत्र की भांति खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करके देश को गौरवान्वित करने वालों का यथोचित सम्मान किया भी जाना चाहिए और उसमें किसी को कोई आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। किंतु जिस प्रकार प्रायोजित रूप में इस प्रकार के अवसरों को राष्ट्रीय एकता के प्रकटीकरण के रूप में प्रदर्शित किया जाता है, उसके मूल में हमारे देश व समाज में और इसके नीति निमार्ताओं में एकता की सच्ची अवधारणा की समझ का अभाव स्पष्ट झलकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था, जिसके केंद्र में असहमति और मतभेद के रूप में विखंडन के बीज इस व्यवस्था के जन्म से स्थापित हैं, में सदैव से इस प्रकार के क्षणिक और अस्थाई अवसरों पर उठे भावात्मक ज्वारों को राष्ट्रीय और सामाजिक एकता का प्रतीक और प्रमाण माना जाता रहा है। लेकिन व्यावहारिक तल पर देखें तो इस प्रकार के ज्वार किसी प्रकार की स्थाई एवं ठोस एकता के निर्माण में बहुत कारगर नहीं होते। जो लोग क्रिकेट के खेल में जीत मिलने पर एक साथ हर्षित और उल्लासित होते दिखाई देते हैं, वे ही लोग क्या राजनीति, धर्म, जाति आदि विषयों को लेकर एक दूसरे के कट्टर शत्रु बने नजर नहीं आते? ऐसे में जीवन के किसी भी व्यावहारिक पक्ष को प्रभावित और मार्गदर्शित न कर पाने वाली ऐसी क्षणिक एकता को क्या एकता कहना उचित है? ऐसे कालखंड में, जब राष्ट्र, समाज, धर्म, जाति, राजनैतिक दलों से लेकर परिवार तक के सभी क्षेत्रों में एकता की बात बार-बार की जाती है, एकता को सबसे बड़ी शक्ति बताया जाता है, एकता की आवश्यकता को लेकर खूब शोर मचाया जाता है, तब इन सभी क्षेत्रों में जीवन के व्यावहारिक पक्षों में एकता की स्पष्ट कमी इस बात को प्रमाणित करती है कि किसी भी समूह में सच्ची एकता स्थापित करने के लिए केवल क्षणिक भावावेश और उपदेश पर्याप्त नहीं है।

वास्तव में किसी भी समूह में एकता के दो स्वरूप होते हैं - बाह्य एकरूपता और भीतरी एकत्व की अनुभूति। बाह्य एकरूपता में रहन-सहन, खान-पान, शिष्टाचार के नियम आदि बाह्याचरण के विभिन्न पक्ष शामिल होते हैं, वहीं भीतरी एकत्व का उद्गम समान मूल्यों, सिद्धांतों, विश्वासों और अनुभूत ज्ञान से होता है। ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं और एक के अभाव में दूसरा भी निरुपयोगी ही नहीं बल्कि विकृत होकर हानिकारक भी बन सकता है। यदि किसी समूह या समाज में केवल बाह्य एकरूपता पर ही अत्यधिक जोर दिया जाए और उसमें से भीतरी सत्य खो जाए, तो वह समूह एक ऐसी यांत्रिक शक्ति का रूप ले लेगा जिसे कोई भी अपने स्वार्थ, महत्वाकांक्षा अथवा सनक की पूर्ति के लिए प्रयुक्त कर सकता है। संसार के इतिहास में अनेक तानाशाहों ने इस प्रकार की यांत्रिक समूह शक्ति के बल पर अनेकों अमानवीय कृत्य किए हैं। वहीं, यदि मूल्य, सिद्धांत, विश्वास, ज्ञान आदि आचरण के अंग नहीं बन सकें, सामान्य जीवन व्यवहार में नहीं ढल सकें तो वे पाखंड में बदलकर समाज को जड़गामी बना देते हैं। ऐसे में किसी समाज अथवा राष्ट्र में सच्ची एकता लाने के लिए एकता के इन दोनों स्वरूपों के निर्माण और पोषण की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए। दुर्भाग्य से वर्तमान व्यवस्थाकारों एवं नीति निमार्ताओं द्वारा इस कार्य की पूर्णतया उपेक्षा की गई है और एकता की स्थापना के नाम पर केवल इस आलेख के प्रारंभ में वर्णित भावात्मक ज्वार को उत्पन्न करने के उपायों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। इस प्रकार के विशेष अवसरों पर प्रदर्शित होने वाली यह एकता वास्तव में आपातकालीन एकता है जो किसी भी समाज के स्थायी और दीर्घकालीन विकास की आधारभूमि नहीं बन सकती। बाह्य एकरूपता और भीतरी एकत्व के निरंतर संयोग से उत्पन्न शांतिकालीन एकता ही सच्ची और सर्वांगीण एकता कही जा सकती है क्योंकि इस एकता से ही किसी समाज में उस सहयोगी भाव का जन्म होता है जो पूरे समाज की शक्ति को संगठित रूप देकर उसके व्यापक और दीर्घकालीन उद्देश्यों की पूर्ति कर सकता है।

हमारे समाज में भी यदि हम देखें तो सामाजिक एकता के नाम पर किए जा रहे अधिकतर प्रयासों में उपरोक्त वर्णित सर्वांगीण एकता की अवधारणा की समझ का अभाव ही दिखाई देता है और इसीलिए समाज को एक करने के नाम पर स्वार्थ, महत्वाकांक्षा और अहंकार के झगड़े ही अधिक दिखाई देते हैं। ऐसे तत्वों द्वारा समाज के युवाओं में विभिन्न मुद्दों पर भावनात्मक ज्वार का निर्माण कर एकता का दावा किया जाता है और उस दावे की आड़ में उन भावनाओं का दोहन कर व्यक्तिगत स्वार्थ साधे जाते हैं। यही कारण है कि सामाजिक एकता स्थापित करने के नाम पर बने कई संगठनों में आपस में ही सिर-फुटौव्वल की स्थिति बनती अनेक बार दिखाई देती है और इन स्थितियों को देखकर अनेक समाजबंधु निराश भी होते हैं और यह भावना भी अभिव्यक्त करते हैं कि समाज में एकता स्थापित की ही नहीं जा सकती। किंतु यह निराशा भी एकता की सही अवधारणा और उसकी प्राप्ति के सही मार्ग को ना समझने के कारण अनुपयुक्त मार्गों से सामाजिक एकता की प्राप्ति की चाह के परिणाम स्वरूप ही पैदा होती है। उपरोक्त सभी परिस्थितियों को दृष्टिगत रखकर ही श्री क्षत्रिय युवक संघ सामाजिक एकता के निर्माण के लिए बाह्य एकरूपता और भीतरी एकत्व के दोहरे उपाय पर कार्य कर रहा है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में हम एक सी गणवेश पहनते हैं, एक जैसी दिनचर्या का पालन करते हैं, एक समान नियमों और अनुशासन में अपने आप को बांधते हैं। ये सभी बाह्य एकरूपता के निर्माण के उपाय है। शिविर के बाहर के जीवन में भी भोजन मंत्र के उच्चारण, अष्टसुत्री नियमों के पालन आदि के निर्देश भी हमारे दैनिक जीवन-व्यवहार में एकरूपता को बढ़ाने के लिए ही दिए जाते हैं। इसके साथ ही संघ दर्शन को आत्मसात करके जीवन के मूल्यों, सिद्धांतों और विश्वासों में सत्य-ज्ञान के माध्यम से एकत्व के सृजन की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहती है। निरंतर संपर्क और जीवनव्यापी शिक्षण के द्वारा संघ उस सामाजिक एकता के निर्माण में लगा हुआ है जो किसी परिस्थिति विशेष पर निर्भर न होकर हमारे जीवन व्यवहार में शामिल हो। आएं, हम भी इस प्रक्रिया के अंग बनकर सामाजिक एकता के निर्माण में सहयोगी बनें।

सभा का आयोजन कर महाराजा मानसिंह को दी श्रद्धांजलि

6 जुलाई को राष्ट्रीय क्षत्रिय राजपूत समन्वय संघ दिल्ली प्रदेश के बुराड़ी स्थित कार्यालय में आमेर के महाराजा मानसिंह की 410वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। डॉ. मानसिंह कुशवाह ने सभा को संबोधित करते हुए महाराजा मान सिंह जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और बताया कि उन्होंने सनातन धर्म की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महीपाल सिंह बाछल ब्रह्मपुरी, ओमप्रकाश सिंह पंवार भुराड़ी, हरी सिंह कुशवाह शालीमार गाँव, राजेश यादव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि मानसिंह जी ने अनेक मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया, हरिद्वार में हर की पौड़ी का निर्माण करवाया, उन्होंने अनेक दुर्गों का भी निर्माण करवाया। सनातन धर्म के प्रति निष्ठा रखने वाले मानसिंह जी हम

सभी के लिए सम्माननीय है और उनके प्रति प्रचलित गलत धारणाओं का हमें ऐतिहासिक तथ्यों के साथ खंडन करना चाहिए। कार्यक्रम में दिल्ली के जयपुर हाउस एवं मानसिंह रोड़ गोल चक्कर में राजा मानसिंह कछवाहा प्रथम की और जयपुर हाउस व जन्तर मन्तर में राजा सवाई जयसिंह द्वितीय की प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग भी रखी गई। श्री राजपूत करणी सेना की जयपुर जिला टीम द्वारा भी 6 जुलाई को राजा मानसिंह आमेर की पुण्य तिथि पर आमेर में श्रद्धांजलि सभा रखी गई। कार्यक्रम को राजा मानसिंह आमेर के जीवन-चरित्र पर आधारित पुस्तक 'मान महिमा' के लेखक व इतिहासकार नरेंद्र सिंह निमेडा ने संबोधित करते हुए कहा कि राजा मानसिंहजी सनातन धर्म के रक्षक व पोषक तथा अद्वितीय योद्धा थे। वे महान दानवीर व कूटनीतिज्ञ रहे। इसी कूटनीति का परिणाम था कि तत्कालीन रियासतों में आमेर रियासत सबसे अधिक मजबूत व शक्तिशाली है। विज्ञान की समझ में परख रखने के कारण बारूद और तोपों का आविष्कार भी इस देश में सर्वप्रथम मानसिंह जी ने ही किया। कार्यक्रम में इतिहासविद ओमेंद्र रत्नू ने राजपूत इतिहास के पुनर्लेखन पर जोर देते हुए कहा कि राजपूतों का जो गौरवशाली इतिहास था उसको तथाकथित इतिहासकारों ने धूमिल करने का प्रयास किया है। जबकि हम सबको राजपूतों का ऋणी रहना चाहिए जिनके बलिदान की बदौलत ही आज हमारी सभ्यता व हिंदू धर्म बच पाया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता गलता पीठ के पीठाधीश्वर श्री अवदेशाचार्य जी महाराज ने की। श्री क्षत्रिय युवक संघ की क्षत्रिय सेवा समिति दादी का फाटक, रोड नंबर 8, टोड़ी मोड सीकर रोड व नारायण सिटी कालवाड़ रोड की शाखाओं में भी मानसिंह आमेर की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	01.08.2024 से 04.08.2024 तक	श्री प्रताप राजपूत छात्रावास, नीमकाथाना, **संपर्क सूत्र** – श्री गिरवर सिंह बुदोली - 7062539305
02.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2024 से 11.08.2024 तक	श्री कुलेटी माताजी मंदिर आजबर, तहसील - भीनमाल, जिला - जालौर, (रामसीन-जसवंतपुरा मार्ग पर बूगांव से आगे माता जी का दरवाजा है, वहां से 2 किलोमीटर दूर शिविर स्थल है। बसों की व्यवस्था है।) **संपर्क सूत्र** – अर्जुन सिंह देलदरी - 9828456333, राजेंद्र सिंह आकोली - 9929371996
03.	प्रा.प्र.शि.	16.08.2024 से 19.08.2024 तक	छपारा, प्रांत - लाडनूं (नागौर) **संपर्क सूत्र** – श्री रविंद्र सिंह छपारा - 9649740225
04.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	सांतलपुर, जिला - पाटन (गुजरात)
05.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	डेल गांव, तहसील थराद, जिला - बनासकांठा (गुजरात)
06.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	वरियाडा, तहसील - शिव, जिला - बाड़मेर
07.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	चाडी, तहसील - रामसर, जिला - बाड़मेर
08.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	हदां, प्रांत - नोखा, (बीकानेर से बसें उपलब्ध हैं) **संपर्क सूत्र** – 9928514502
09.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	दुलमेरा, प्रांत - बीकानेर ग्रामीण, (बीकानेर से बसें उपलब्ध हैं) **संपर्क सूत्र**–श्री नारायण सिंह किस्तुरिया - 9782705887
10.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	श्री सिगोतर माताजी मंदिर इशरोल, जिला - सांचौर (हाडेचा से बस द्वारा गोमी उतरें, वहां से टैक्सी की व्यवस्था है।) **संपर्क सूत्र** – हीर सिंह कीलवा - 9982985954, ईश्वर सिंह चौरा - 9982411848
11.	प्रा.प्र.शि.	17.08.2024 से 20.08.2024 तक	श्री आशापुरा माताजी मंदिर धामसीन, रानीवाड़ा, जिला - जालौर, (रानीवाड़ा से बस व टैक्सी उपलब्ध है) **संपर्क सूत्र**– प्रवीण सिंह सुरावा - 9660080210, रेवंत सिंह जाखड़ी - 9887636320
12.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	श्री जलंधर नाथ जी मंदिर धाणसा, तहसील भीनमाल, जिला जालौर, (जालौर-भीनमाल रेल मार्ग से मोदरान स्टेशन उतरें, वहां से निजी बसें उपलब्ध हैं।) **संपर्क सूत्र** – विक्रम सिंह धाणसा - 8107135547
13.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	श्री कांबेश्वर महादेव मंदिर काना कोलार बेड़ा, जिला - पाली, (शिवगंज व बेड़ा गांव से बसें व टैक्सी उपलब्ध हैं।) **संपर्क सूत्र** मंगल सिंह बेड़ा-7073705963, उदय सिंह बेड़ा - 9413500869
14.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	कानासर, तहसील एवं जिला - बीकानेर
15.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	अनापुर छोटा, तह.-धानेरा, जिला-बनासकांठा (गुजरात)
16.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 26.08.2024 तक	मालपुर, तहसील - मालपुर, जिला - अरवल्ली (गुजरात) **संपर्क सूत्र**– 9428027928
17.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	नुआ, रतनगढ़, जिला - चुरू **संपर्क सूत्र**– 8209765794
18.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	बांदरा, प्रांत - बाड़मेर ग्रामीण (बाड़मेर से कवास मार्ग पर)
19.	प्रा.प्र.शि.	24.08.2024 से 27.08.2024 तक	मालण माता, हरसाणी से रोहिड़ाला मार्ग पर स्थित जिला-बाड़मेर।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री शैलेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंद सिंह महेशपुरा (जालोर) का **पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान शिलांग में नर्सिंग ऑफिसर** पद हेतु चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु- **सौभाग्य सिंह** पाँचोटा (जालोर)।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध,पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु नि:शुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख
अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली समाज की प्रतिभाएं

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं। इन परिणामों में समाज के अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से कुछ की सूचना पथप्रेरक कार्यालय में प्राप्त हुई है। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं की एक सूची यहां प्रकाशित की जा रही है। जिन विद्यार्थियों की सूचना आगे प्राप्त होगी, उनका विवरण अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

कक्षा 10

43.	जसवंत कंवर पुत्री चतुर्भुज सिंह	तेजमालता-जैसलमेर	10 (आरबीएसई)	94.50
44.	शिवानी कंवर पुत्री गोरधन सिंह	टाटनवा (सीकर)	10 (आरबीएसई)	94.50
45.	नंदा कंवर पुत्री घिसू सिंह	कासली (सीकर)	10 (आरबीएसई)	94.33
46.	खुशबू शेखावत पुत्री रतन सिंह	पालवास (सीकर)	10 (आरबीएसई)	93.33
47.	पूजा कंवर पुत्री रघुवीर सिंह	पूरण बड़ी (सीकर)	10 (आरबीएसई)	95.33
48.	पायल कंवर पुत्री मनोहर सिंह	पूरण बड़ी (सीकर)	10 (आरबीएसई)	92.67
49.	साक्षी कंवर पुत्री जसवंत सिंह	नोखा (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	92.50
50.	आशा कंवर पुत्री छैलू सिंह शेखावत	पुंदलसर (बीकानेर)	10 (आरबीएसई	92.33
51.	हर्षवर्धन सिंह राठौड़ पुत्र ऋषिराज सिंह	बनेवड़ा (अजमेर)	10 (आरबीएसई)	95.67
52.	यशवर्धन सिंह राठौड़ पुत्र ऋषिराज सिंह	बनेवड़ा (अजमेर)	10 (आरबीएसई)	95.17
53.	प्रीति कंवर चौहान पुत्री डूंगर सिंह	उथनोल(राजसमंद)	10 (आरबीएसई)	92.00
54.	आंचल राठौड़ पुत्री प्रभु सिंह	रसाल (डीडवाना)	10 (आरबीएसई)	97.17
55.	युवराज सिंह पुत्र बने सिंह	बाड़मेर	10 (आरबीएसई)	91.33
56.	प्रिया कंवर राणावत पुत्री छोटू सिंह	नेतावल खेड़ा (चितौड़गढ़)	10 (सीबीएसई)	90.40
57.	राहुल सिंह पुत्र मनोहर सिंह	ऊंचाईडा (नागौर)	10 (आरबीएसई)	90.83

विशेष: छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का शिविर किया है।

58.	धैर्यवर्द्धन सिंह पुत्र जितेंद्र सिंह	बरवाली (डीडवाना कुचामन)	10 (आरबीएसई)	94.17
59.	सूर्यप्रताप सिंह पुत्र देवेंद्र सिंह	दीपपुरा (डीडवाना कुचामन)	10 (आरबीएसई)	96.00
60.	नव्या कंवर धीरावत पुत्री गणेश सिंह धीरावत	रोजदा (जयपुर)	10 (आरबीएसई)	93.33
61.	भवानी सिंह पुत्र आसू सिंह	गोगानाडा (नागौर)	10 (आरबीएसई)	94.50
62.	रावल सिंह पुत्र जबर सिंह	तिबनियार (बाड़मेर)	10 (आरबीएसई)	95.17
63.	संतोष कंवर पुत्री हिम्मत सिंह	बहादुर सिंह की ढाणी सत्याया (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	96.17
64.	राज श्री कंवर पुत्री जुझार सिंह	बालाणा (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	92.33
65.	कृपाल सिंह पुत्र दीन सिंह	बालाणा (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	92.33
66.	पृथ्वीराज सिंह नरूका पुत्र अशोक सिंह नरूका	सरावली (दौसा)	10 (आरबीएसई)	97.67
67.	जयश्री पुत्री जगवीर सिंह शेखावत	बावड़ी (सीकर)	10 (आरबीएसई)	94.00
68.	लोकेंद्र सिंह शेखावत पुत्र जगवीर सिंह शेखावत	बावड़ी (सीकर)	10 (आरबीएसई)	93.67
69.	इशू कंवर पुत्री मोहबत सिंह	खेतासर (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	95.33

कक्षा 12

28.	अनिरुद्ध सिंह पुत्र प्रताप सिंह चौहान	दुकवाड़ा (बांसवाड़ा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	91.20
29.	सवाई सिंह पुत्र गंगा सिंह	बूठ (बाड़मेर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	93.00

विशेष : छात्र श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्वयंसेवक है।

30.	पूजा शेखावत पुत्री पृथ्वी सिंह	बागरियावास (सीकर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	98.60
31.	यदुवेंद्र सिंह चंपावत पुत्र गणपत सिंह चंपावत	निम्बली उड़ा (पाली)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.00
32.	किशोर सिंह पुत्र भगवान सिंह	गंगासरा (बाड़मेर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	93.20
33.	लक्ष्मण सिंह पुत्र भवंर सिंह	पुनासर (जोधपुर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	90.60
34.	निकिता कंवर राणावत पुत्री लोकेंद्र सिंह राणावत	बहादुरपुरा (भीलवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	92.40
35.	प्रेरणा कंवर राणावत पुत्री लोकेंद्र सिंह राणावत	बहादुरपुरा (भीलवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग आरबीएसई	94.40
36.	भुवनेश्वर राठौड़ पुत्र शैलेन्द्र सिंह महेचा	दाखां (बालोतरा) (सीबीएसई)	12 विज्ञान वर्ग	94.40

विशेष: छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का शिविर किया है और वर्तमान में आईआईटी मुंबई में अध्यनरत है।

37.	सुरेंद्र सिंह पुत्र नरपत सिंह	जिनपुर (बालोतरा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	97.80

विशेष: छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का शिविर किया है।

38.	महेंद्र सिंह पुत्र मदन सिंह	जिनपुर (बालोतरा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	95.20

विशेष: छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का शिविर किया है।

केकड़ी में कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन

श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन की अजमेर टीम द्वारा राजपूत समाज के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन 7 जुलाई को केकड़ी के पंचायत समिति सभा भवन में किया गया। फाउंडेशन के जिला प्रभारी देशराज सिंह लिसाड़ीया ने श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन के उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (उदयपुर) के कैम्पस डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़, कैरियर काउंसलर पीटी एजुकेशन डायरेक्टर (उदयपुर) विनीत बया, प्रोफेसर यदुगोपाल शर्मा (भूतपूर्व पीजी प्राचार्य) ने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर निर्माण के अवसरों और चुनौतियों के बारे में बताया। वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए, साथ ही विद्यार्थियों द्वारा रखी गई जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। विक्रम सिंह बिलिया ने रक्षा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसवंत सिंह डोराई ने विद्याध्ययन में एकाग्रता के महत्त्व को समझाया और विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य को निश्चित करके उसके प्रति एकाग्रचित्त होकर अध्ययन करने की बात कही। अंत में भंवर सिंह खिरियाँ ने सभी का आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सहयोगी समाज बंधुओं सहित 150 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

किशन सिंह आलासन पीसी महालनोबिस पुरस्कार से सम्मानित

जालोर के सहायक सांख्यिकी अधिकारी किशन सिंह आलासन को 18वें सांख्यिकी दिवस के उपलक्ष्य में 29 जून को राज्य स्तर पर आयोजित समारोह में पीसी महालनोबिस पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। किशन सिंह द्वारा जिला स्तर पर जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन (वर्ष 2011-13) के प्रमाण पत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटलाईजेशन करवाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

अभिषेक सिंह बने सहायक कमांडेंट

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के धोवाटी गांव के निवासी अभिषेक सिंह तोमर पुत्र सुरेंद्र सिंह संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक कमांडेंट परीक्षा पास करके सीमा सुरक्षा बल में सहायक कमांडेंट पद पर नियुक्त हुए हैं।

(पृष्ठ एक का शेष)

हम जितने गंभीर...

यह बहुत सरल दिखते हुए भी तलवार की धार पर चलने जैसा काम है जो निरंतर अभ्यास से ही संभव होगा। समाज हमारी ओर देख रहा है, हम पर उसकी आशाएं हैं। मार्ग बीहड़ है, साधन कम है लेकिन हमें ध्रुव तारा बनकर भटके हुओं को मार्ग बताना है। स्वयं को जितना सकारात्मक बनाने का प्रयास करेंगे उतनी ही सकारात्मक ऊर्जा हमारी ओर आएगी। यदि नकारात्मक आचरण करेंगे तो नकारात्मक ऊर्जा हमारी ओर आकर हमें प्रभावित करेगी। 6-7 जुलाई को उदयपुर स्थित अलख नयन मंदिर में संपन्न इस दो दिवसीय बैठक में दोनों संभागों की वार्षिक कार्ययोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला व मेवाड़ मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। 6 जुलाई की रात्रि को संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में साप्ताहिक पारिवारिक शाखा भी रखी गई जिसमें संघप्रमुख श्री ने कहा कि संघ संस्कार निर्माण का कार्य करता है और यह कार्य मुख्य रूप से माता का है, उसके बाद यह दायित्व शिक्षक का है। लेकिन गुरुकुल में, परिवारों में वे संस्कार मिलना बंद हो गए, इसकी चिंता पूज्य तनसिंह जी को हुई। वह चिंता चिंतन में बदली और उस चिंतन के फलस्वरूप श्री क्षत्रिय युवक संघ का जन्म हुआ। इस पतन को कैसे रोका जाए, हमारे पूर्व संस्कार वापस हमारे भीतर कैसे आएं, उसके लिए उन्होंने मार्ग खोजना प्रारंभ किया। परिवारों में और विद्यालयों में जहां पहले संस्कारों का निर्माण हुआ करता था, वहां यह कार्य होना बंद हो गया था, तब उन्होंने एक ऐसे कृत्रिम विद्यालय का निर्माण श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में किया जहां उन संस्कारों का निर्माण हो सके। 1994 में बालिकाओं के शिविर प्रारंभ हुए। माताओं और बहिनों के जुड़ने के बाद संख्यात्मक और गुणात्मक दृष्टिकोण से भी संघ को अधिक गति मिली। मातृशक्ति त्याग के भाव का आदर्श उदाहरण है और इसी त्याग के भाव को समाज में जगाने का कार्य संघ कर रहा है। इससे पूर्व जयपुर, पूर्वी राजस्थान व दिल्ली संभाग की संयुक्त कार्ययोजना बैठक 29-30 जून को जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में आयोजित हुई। संघप्रमुख श्री ने बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य पूर्णकालिक कार्य है, जीवन पर्यंत किया जाने वाला कार्य है। यह कोई 'पार्ट टाइम जॉब' नहीं है। इसका अर्थ है कि हमारे जीवन के समस्त व्यापार संघ कार्य के निमित्त ही हो। हमारा विद्याध्ययन, कुटुंब पालन, नौकरी, व्यापार आदि जो कुछ भी हम करते हैं वह सब संघ के निमित्त हो तभी हम कह सकते हैं कि संघ का कार्य हमारे लिए पूर्णकालिक कार्य है। उन्होंने कहा कि हम संघ के स्वयंसेवक हैं, यह हमारे जीवन को देखकर पता चलना चाहिए। यह तभी होगा जब हमारे जीवन में एकरूपता आएगी। इसके लिए कुछ निश्चित कार्य ऐसे होने चाहिए जो संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक अनिवार्य रूप से करता हो। बाह्य एकरूपता की दृष्टि से इसमें सबसे सरल और महत्त्वपूर्ण है भोजन से पहले भोजन मंत्र का उच्चारण। हम प्रतिदिन जितनी बार भी, जहां भी भोजन करते हैं उतनी ही बार भोजन मंत्र का उच्चारण अवश्य करना चाहिए। इसी प्रकार प्रतिदिन अपने माता-पिता के चरण स्पर्श और संघ के अष्ट सूत्री कार्यक्रम का पालन भी इसी एकरूपता का अंग है। यह एकरूपता का बाह्य रूप ही है लेकिन यही भीतरी एकरूपता को लाने के लिए भी आधार बनेगा। इसलिए इन नियमों का हम सभी को अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। संघप्रमुख श्री ने प्रत्येक स्वयंसेवक को अनिवार्य रूप से शाखा में जाने का निर्देश देते हुए कहा कि जो भी कार्य हम रुचि पूर्वक करते हैं उसके परिणाम भी हमारे अनुकूल अवश्य आते हैं, इसलिए शाखा में भी हमारी स्वयं की रुचि बनी रहे, यह आवश्यक है। हमारी रुचि होगी तभी शाखा में आने वाले नए साथियों की भी रुचि शाखा के प्रति बढ़ेगी। बैठक में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक महावीर सिंह जी सरवड़ी का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। संरक्षक श्री ने सभी का परिचय प्राप्त किया। बैठक में केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ, वरिष्ठ स्वयंसेवक राजेंद्र सिंह बोबासर एवं तीनों संभागप्रमुख सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। राम सिंह अकदड़ा ने जयपुर संभाग की, मदन सिंह बामणिया ने पूर्वी राजस्थान संभाग की और रेवत सिंह धीरा ने दिल्ली संभाग की वार्षिक कार्ययोजना प्रस्तुत की।

मुंबई की शाखाओं का एकदिवसीय भ्रमण कार्यक्रम

दक्षिण मुंबई प्रांत की विभिन्न शाखाओं का सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम 7 जुलाई को रखा गया। प्रांत की तनेराज शाखा, वीर शिवाजी शाखा एवं बाहड़ राव परमार शाखा के स्वयंसेवकों ने एकदिवसीय भ्रमण कार्यक्रम में सर्वप्रथम बस द्वारा कोडेश्वर मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इसके पश्चात सभी बदलापुर जल प्रपात पहुंचे एवं झरनों में स्नान का आनंद लिया। भ्रमण के दौरान स्नेहभोज भी

रखा गया। दक्षिण मुंबई प्रांत प्रमुख देवीसिंह झलोड़ा सहित 53 स्वयंसेवक इस भ्रमण कार्यक्रम में शामिल रहे।

चितौड़गढ़, पालनपुर व चौहटन में प्रांतीय कार्ययोजना बैठकों का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के चित्तौड़गढ़ प्रांत की वार्षिक कार्ययोजना बैठक शहर स्थित ऋतुराज वाटिका में 30 जून को आयोजित हुई। बैठक में प्रांत में वर्ष भर आयोजित होने वाले बालक व बालिका शिविर, जयंती कार्यक्रम आदि के स्थान तय किए गए। संघ की शाखाओं की संख्या में वृद्धि पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने किया। बैठक से पूर्व शाखा एवं हवन का भी आयोजन हुआ। गुजरात में पालनपुर प्रांत की कार्ययोजना बैठक भी 30 जून को पालनपुर स्थित सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में रखी गई। प्रांत प्रमुख अजीत

सिंह कुणघेर ने प्रांत में पूरे वर्ष के दौरान होने वाली सांघिक गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रांत के वड़गाम, दांतीवाड़ा और धानेरा मंडल प्रमुख एवं अन्य सहयोगी बैठक में उपस्थित रहे। बाड़मेर संभाग के चौहटन प्रान्त का प्रांतीय स्नेहमिलन 7 जुलाई को श्री भवानी क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस चौहटन में आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली तथा प्रान्त प्रमुख लाल सिंह आकोड़ा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। चौहटन प्रान्त में शाखाओ की संख्या में बढोतरी, शिविरों के आयोजन, संघशक्ति व पथप्रेरक की सदस्यता बढ़ाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर बैठक में चर्चा की गई।

लखासर में हुआ महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण

बीकानेर जिले के लखासर ग्राम में 7 जुलाई को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण किया गया। समस्त ग्रामवासी लखासर और अन्य क्षेत्रों के बंधुओं के सहयोग से पंच धातु से निर्मित 12.6 फीट ऊंची भव्य मूर्ति का अनावरण लालेश्वर मठ शिवबाड़ी के महन्त स्वामी विमर्शानन्द गिरी जी के द्वारा किया गया। स्वामीजी ने आशीर्वचन देते हुए महाराणा प्रताप के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेने की बात कही। मूर्तिकारों एवं मूर्ति स्थापना में सहयोग करने वाले सहयोगियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सैंकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

अनीता तंवर पांच किमी दौड़ में रही प्रथम

हरियाणा के हिसार जिले के तलवंडी बादशाहपुर की निवासी अनीता तंवर ने 14वीं सीनियर हरियाणा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 5 किमी की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साधारण किसान परिवार से आने वाली अनीता अब आगामी नेशनल इंटरस्टेट सीनियर चैंपियनशिप में 5000 मीटर की दौड़ में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी। अनीता इससे पूर्व राज्य स्तर पर भी 4 पदक जीत चुकी हैं जिसमें 2 स्वर्ण और 2 रजत पदक शामिल हैं।

कवराज सिंह रानीगांव को पितृशोक

कवराज सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **कवराज सिंह रानीगांव** के पिता श्री मेहताब सिंह जी का देहावसान 8 जुलाई 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

साहित्यकार नाहर सिंह जसोल का निधन

नाहर सिंह जसोल

प्रख्यात इतिहासकार एवं राजस्थानी भाषा के साहित्यकार **नाहर सिंह जसोल** का 29 जून को 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जसोल ने राजस्थानी भाषा में लगभग 35 पुस्तकों की रचना की। उन्हें गुजरात राज्य के सर्वोच्च साहित्य पुरस्कार कवि काग पुरस्कार सहित साहित्य के क्षेत्र में अनेकों सम्मान प्राप्त हुए। उन्होंने जसोल के सरपंच, बालोतरा के प्रधान, सिटी पैलेस उदयपुर के निदेशक एवं मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) के निदेशक के रूप में भी सेवाएं दीं।

वयोवृद्ध स्वयंसेवक हरिसिंह जाखली का देहावसान

हरि सिंह जी जाखली

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक **हरि सिंह जी जाखली** का देहावसान 01 जुलाई 2024 को 92 वर्ष की आयु में हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 17 शिविर किए जिनमें तीन उच्च प्रशिक्षण शिविर, नौ माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर, चार प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर एवं एक विशेष शिविर शामिल हैं। मई 1948 में आयोजित कुचामन ओटीसी उनका प्रथम शिविर था। आप पूज्य तनसिंह जी द्वारा प्रारंभिक दिनों में निकाले गए पत्र 'संघर्ष' के संपादन में सक्रिय रहे। वृद्धावस्था में भी आपका जीवंत सम्पर्क बना रहा एवं हमेशा संघ के समाचार पूछते रहते थे। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

जयपुर में तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन एवं सगाई समारोह का आयोजन

जयपुर के वैशाली नगर स्थित शिव मैरिज गार्डन में दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ एवं राजपूत सर्वोत्तम सहयोग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 28 से 30 जून तक तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन एवं सगाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रथम दिन प्रतिभा सम्मान समारोह एवं कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया जिसमें 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के 650 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया एवं अधिकारियों द्वारा छात्रों को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। दूसरे दिन कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा एवं संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान साहित्य रत्न तथा महाराणा प्रताप पुरस्कार भी दिए गए। राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, विक्रम सिंह चौहान (आईएएस), राजेंद्र सिंह शेखावत (आरएएस), पूर्व निदेशक मौसम विभाग लक्ष्मण सिंह राठौड़, महेंद्र सिंह राघव (न्यायाधीश), मेजर जनरल आशु सिंह लाछडी, नगेंद्र सिंह बगड, चैन सिंह जाखेडा, ब्रिगेडियर वीडी सिंह आदि ने समारोह को संबोधित किया और समाज में फैल रही सामाजिक कुरीतियों व कुप्रथाओं को बंद करने, फिजूल खर्ची व दिखावे को रोकने, युवाओं में संस्कार, स्वरोजगार व शिक्षा पर जोर देकर समाज को सशक्त व जागृत करने का आह्वान किया। गणपत सिंह राठौड़ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा राजस्थान के जयपुर सहित विभिन्न जिलों में चिंतन शिविर सहित इस तरह के अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मनोज कुमार सिंह बने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनोज कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। उन्होंने 30 जून को कार्यभार ग्रहण किया। वे इससे पूर्व कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अवस्थापन व औद्योगिक विकास आयुक्त का पद संभाल रहे थे। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह बिहार के रोहतास जिले के शिवसागर प्रखंड के मझुई गांव के मूल निवासी हैं एवं वर्तमान में इनका परिवार झारखंड के रांची में निवासरत है। मनोज 1990 में मैनपुरी के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नियुक्त हुए थे। इसके बाद ललितपुर, गौतमबुद्धनगर, पीलीभीत, मुरादाबाद व अलीगढ़ में डीएम रहे। इनके पिता राधिका रमण सिंह रांची के प्रसिद्ध चिकित्सक थे। मनोज कुमार सिंह की पत्नी रश्मि सिंह भी आईएएस अधिकारी है एवं श्रीनगर में प्रिंसिपल रेजिडेंट कमिश्नर के पद पर तैनात हैं।

जम्मू में आतंकी घटना में उत्तराखंड के पांच जवान शहीद

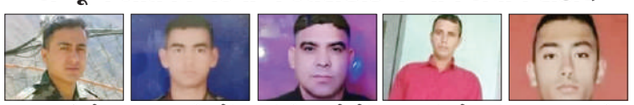

8 जुलाई को जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले में उत्तराखंड के पांच जवान शहीद हो गए। कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार में बदनोता गांव के पास हुए इस आतंकी हमले में शहीद होने वाले पांचों जवान उत्तराखंड के राजपूत समाज से थे। रुद्रप्रयाग के कंडाखाल गांव के सूबेदार आनंद सिंह, पौड़ी गढ़वाल के पापरी गांव के हवलदार कमल सिंह, पौड़ी गढ़वाल के डोबरिया गांव के राइफलमैन अनुज नेगी, टिहरी गढ़वाल के थाटी डागर गांव के राइफलमैन आदर्श नेगी और टिहरी गढ़वाल के चौंद जयपुर गांव के नायक विनोद सिंह इस हमले में शहीद हुए। माचेडी-किंडली-मल्हार मार्ग पर जब सेना के दो वाहन गश्त पर थे तब आतंकवादियों द्वारा उन पर कायरतापूर्ण तरीके से घात लगाकर हमला किया गया जिसमें पांचों जवान वीरगति को प्राप्त हो गए।

बिशन सिंह शेखावत के नाम से पत्रकार पुरस्कार की घोषणा

प्रख्यात पत्रकार बिशन सिंह शेखावत की स्मृति में राजस्थान सरकार ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को 'बिशन सिंह शेखावत' सम्मान देने की घोषणा की है। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने 10 जुलाई को विधानसभा में अपने बजट भाषण में यह घोषणा की। राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र में 'आओ गांव चले' स्तंभ के सूत्रधार बिशन सिंह शेखावत ने सैकड़ों गांवों का इतिहास लिखा। वे राजस्थान के राज्य कर्मचारियों की यूनियन और राजस्थान शिक्षक संघ के अध्यक्ष भी रहे। श्रमिक व कर्मचारी-आंदोलनों में भी सक्रिय रहे और अनेक बार जेल भी गए।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org